>

Title: Need to open medical hospitals in rural areas.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): सभापति जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया। आज देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में ढाँचे को मज़बूत करने के लिए सरकार को विशेष प्रबंध करना चाहिए। भारत देश की एक बहुत बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे अपना जीवन बसर कर रही है और उसके लिए रोटी कपड़ा और मकान की व्यवस्था करना सरकार के सामने बहुत बड़ी चुनौती है।

सभापति जी, आज गरीब लोग सही समय से इलाज न मिल पाने के कारण बहुत बड़ी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। आज का किस्सा अगर मैं बताऊँ तो इंडिया टीवी में आ रहा था कि गाज़ियाबाद में तीन साल की एक बच्ची को ज़िन्दा दफ़नाया गया। पुलिस को सही समय पर खबर मिलने के कारण पुलिस ने उस बच्ची को ज़िन्दा निकाल लिया। उसके माँ-बाप को पुलिस ने बुलाया जिन्होंने उसे ज़िन्दा दफ़नाया था। उसके माँ-बाप ने पुलिस को बताया कि हमारे पास खाने के लिए पैसे नहीं हैं तो उसकी बीमारी का इलाज हम नहीं कर पाए, और उसकी बीमारी हमसे देखी नहीं गई, इसलिए हमने उसे ज़िन्दा दफ़नाया। पुलिस के सामने उसने यह बयान दिया और यह आज की बात है।

सभापति महोदय : केन्द्र सरकार से आप क्या चाहते हैं, वह बताइए।

श्री नारनभाई कछाड़िया : सभापति जी, जिस देश का बचपन भूखा हो, जिस देश का बचपन कुपोषित और बीमार हो, उस देश की जवानी का क्या होगा, हम सोच भी नहीं सकते। सरकार के सामने जो चुनौती और चैलेन्ज है, उसे हमें नज़रंदाज़ नहीं करना चाहिए।

सभापति जी, उसके लिए सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में प्राइवेट पार्टनरशिप वाले उच्च डाक्टरों के साथ अस्पताल खोलने चाहिए और उन्हें बैंक लोन या सरकार के जरिए सब्सिडी देनी चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण लोगों को इलाज मिले। देश में बी और सी केटेगिरी के शहरों में भी अस्पताल बनाने वालों को टैक्स में छूट देनी चाहिए तथा अन्य सुविधाओं का प्रबंध करना चाहिए, तभी देश के गरीब वर्ग और शहर के गरीब रहने वालों को सुविधा प्राप्त होगी तथा वे प्राइवेट अस्पतालों के जाल से बच सकेगा। आज देश में सबसे ज्यादा जरूरी गुटका, तम्बाकू, सिगरेट, बीड़ी और अन्य चीजों का जो व्यापार हो रहा है, उसको रोकना होगा और इस व्यापार को रोकने के लिए कड़क से कड़क कानून बनाने की जरूरत है। अन्य शहरों में एम्स जैसे अस्पतालों को खोलना होगा, जिसका फायदा ग्रामीण जनता को मिले और लोगों को इलाज के लिए बड़े-बड़े शहरों में जाना न पड़े। आज गरीब मजदूर और छोटे किसान अपना घर नहीं चला सकते हैं, तो वे कैसे अपना इलाज करा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग को सही करवाना सरकार की जिम्मेदारी और दायित्व है।

आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।